प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 13.01.2025 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. प्रयागराज में पौष पूर्णिमा पर अमृत स्नान के साथ शुरू हुआ महाकुंभ : डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी।
2. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ के शुभारम्भ पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा– अनेकता में एकता की भावना को जीवंत करता है यह महापर्व।
3. मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में आज अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को किया संबोधित : कहा– जीवन के बारे में आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक।

और

4. अयोध्या में तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव का आज हुआ समापन : धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा लोगों का मन।

————————

विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आज पौष पूर्णिमा के अवसर पर प्रयागराज में अमृत स्नान के साथ शुरू हो गया। लाखों श्रद्धालु, तीर्थयात्री और पर्यटक गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों क संगम त्रिवेणी के विभिन्न घाटों पर आस्था की डुबकी लगा

रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आस्था के इस महापर्व के शुभारंभ पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। सोशल मीडिया पर श्री मोदी ने इसे भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक विशेष दिन बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बताते हुए कहा है कि यह आयोजन अनेकता में एकता की भावना को जीवंत करता है।

त्रिवेणी संगम तट पर अमृत स्नान का सिलसिला अनवरत जारी है। साथ ही एक महीने तक चलने वाले कल्पवास की भी शुरूआत हो गई है। एक रिपोर्ट.....

प्रयागराज में त्रिवेणी संगम तट पर आज पौष पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं का हुजूम है। त्रिवेणी संगम सहित सभी स्नान घाटों पर देश के कोने–कोने से आए श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ आस्था की डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं। कल मकर संक्रांति स्नान पर्व के चलते श्रद्धालु महाकुंभ मेला क्षेत्र में अपने–अपने शिविरों आश्रय स्थलों में रूक कर संगम में डुबकी लायेंगे। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ कुंभ मेला क्षेत्र में एक महीने तक चलने वाले कल्पवास का विधिवत शुभारंभ हो गया है। कल्पवासी अपने–अपने शिविरों में तुलसी का पौधा रोपित कर कल्पवास की शुरूआत कर दी है। महाकुंभ कुंभ मेला प्रशासन के मुताबिक अब तक त्रिवेणी संगम सहित सभी प्रमुख स्नान घाटों पर लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पूर्ण की कामना से डुबकी लगाई। संपूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालु कुशलता से अपने गंतव्य को वापस जा सके इसको लेकर रूट डायवर्जन आने और जाने के मार्ग निर्धारित किए गए है। साथ ही स्वच्छ कुंभ की झलक संपूर्ण मेला क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है। प्रवीण मिश्र आकाशवाणी समाचार महाकुंभ नगर प्रयागराज।

इस बीच प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा है कि इस भव्य आयोजन में शामिल होने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए व्यांपक इंतजाम किए गए हैं। बाइट.....

हम लोगों ने जो पारंपरिक पुलिस व्यवस्थाएं हैं उसके अतिरिक्त अधिक से अधिक तकनीक का प्रयोग करके बेहतर व्यवस्थाएं यहां के श्रद्धालुओं को दी हैं। आज वहां पुष्पन वर्षा भी होगी। हमारे माउंटेड पुलिस के लोग लगातार भ्रमण कर रहे हैं। हम ड्रोन्स के द्वारा तथा सीसीटीवी के द्वारा सभी जगहों पर क्राउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक मैनेजमेंट कर रहे हैं।

प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महाकुंभ को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिये प्रदेश सरकार ने प्रभावी व्यवस्था की है। सभी श्रद्धालुओं को महाकुंभ में रहने, खाने, यात्रा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और परिवहन में किसी तरह की कोई परेशान नहीं होगी। श्री सिंह ने प्रदेश सहित देश–विदेश के श्रद्धालुओं से महाकुंभ में शामिल होने का आह्वान किया है। बाइट.....

जिन लोगों का भारत की संस्कृति में खासकर सनातन संस्कृति में जिनका विश्वास है, जिनकी आस्था है, जिनकी श्रद्धा है, उन सबको मैं आह्वान करूंगा, कि आइये इस महाकुंभ दो हज़ार पच्चीस में प्रयागराज की जो तीर्थराज कहा जाता है धरती पर आइये अपने जीवन में 144 साल के बाद आए हुए इस योग को अपने जीवन में पुण्य फल के रूप में माँ गंगा, मां यमुना, माँ त्रिवेणी की मुख्य धारा में डुबकी लगाइये, पुण्य फल प्राप्त करिये और जीवन को कृतार्थ करिये।

इस बीच काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि 11 जनवरी से लेकर 28 फरवरी तक प्रोटोकाल लागू रहेगा, स्पर्श दर्शन

प्रतिबंधित रहेगा। यहां आने वाले श्रद्धालु झांकी दर्शन कर सकते हैं। बाइट.....

ग्यारह जनवरी से प्रोटोकॉल लागू है और अट्ठाईस फरवरी तक जो कुम्भ हमारा समाप्त हो जायेगा उसके बाद महाशिवरात्रि के दो दिन बाद तक का प्रोटोकॉल रहेगा। जिसमें पूर्ण रूप से स्पर्श दर्शन सदैव प्रतिबंधित है। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य किसी भी आरती का टिकट भी नहीं जारी किया जा रहा है। सभी आरतियों के साथ साथ दर्शन चलते रहेंगे। सभी को झांकी दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कोई भी विशिष्ट संदर्भ अथवा विशिष्ट अनुरोध जो है वह केवल दो बजे से चार बजे दोपहर के मध्य में ही स्वीकार किये जायेंगे और उनको भी स्पर्श दर्शन नहीं कराया जा सकेगा।

महाकुंभ के मद्देनजर वाराणसी, आने वाले श्रद्धालुओं के लिये वहां के नगर निगम ने कई सुविधाएं प्रदान की है। रैन बसेरों को आधुनिक बनाया गया है। नगर निगम की परिधि में बीस नये ई–रिक्शा और ऑटोरिक्शा स्टैंड बनाये गये हैं। घाटों पर चेंजिंग रूम और अधिक सुसज्जित बनाया गया है और मोबाइल टॉयलेट की सुविधा दी गई है। वहीं अयोध्या में कुंभ से लौटने वाले श्रद्धालुओं के लिये अयोध्या नगर और जमथरा में जन सुविधाओं से युक्त आवासीय टेंट सिटी बनाई जा रही है। इस टेंट सिटी में लगभग साढ़े तीन हजार लोगों के रूकने की क्षमता है।

————————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

————————

सूर्य के उत्तरायण होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का त्योहार कल से प्रदेश में खिचड़ी पर्व के रूप में मनाया जाएगा । गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखपुर में इसे विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। कल लाखों की संख्या में श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाएंगे।

कल से ही गोरखनाथ मंदिर में एक माह तक चलने वाला खिचड़ी मेला भी शुरू हो जाएगा। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को इस पर्व की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि मकर संक्रांति पर सूर्यदेव की राशि में हुआ परिवर्तन अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर करने का प्रतीक है।

————————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जीवन के बारे में आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक है। श्री योगी आज गोरखपुर में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ

मेडिकल साइंसेज की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक संबंधों को समझने क लिये आयोजित तीन दिवसीय अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति सदियों पुरानी है। अलग–अलग समय में ऋषियों और मुनियों ने अपने ज्ञान और अनुभव से इसे नया आयाम दिया है। श्री योगी ने कहा कि धर्म की वास्तविक अर्थ समझ कर ही सन्मार्ग पर चला जा सकता है। बाइट.....

धर्म के विराट स्वरूप को वास्तविक परिपेक्ष्य में अगर किसी ने समझा है तो भारतीय दृष्टि है और उस व्यापक दृष्टि को लेकर के यानि कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्यों के पर्याय को ही धर्म माना है उन्होंने कि धर्म के मार्ग का अनुसरण करो क्योंकि धर्म के पथ पर चलोगे तो अर्थ का उपार्जन भी होगा। कामनाओं की सिद्धि भी होगी और जब ये एक एक चार पुरुषार्थ भारतीय मनीषा ने माने हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष तो धर्म के पथ पर चल कर के अर्थ और कामनाओं की सिद्धि होगी तो मोक्ष अपने आप प्राप्त होगा।

श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन देश की प्राचीन ज्ञान धारा आयुर्वेद और योग का फिर से गौरव हासिल हो रहा है और दुनियाभर में आयुर्वेद तथा योग के प्रति लोगों में खासा उत्साह जगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों को मौजूदा पीढ़ी को नवीन ज्ञान और शोध की तरफ ध्यान केन्द्रित कराना चाहिये, ताकि लोग आसान उपचार पद्धतियों और आयुर्वेद का फायदा उठा सकें।

————————

अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी का तीन दिवसीय कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। इस दौरान आकर्षक और मनमोहक रामलला की आरती और अभिषेक किया गया। छह लाख श्री राम बीज मंत्र के माध्यम से इक्कीस पुरोहितों ने धार्मिक वातावरण सृजित किया। वहीं विख्यात कलाकारों ने भगवान रामलला की राग सेवा भी की। संगीत कार्यक्रम में जानी मानी गायिका अनुराधा पौडवाल, मालिनी अवस्थी और ग्रेमी अवार्ड विजेता पंडित राकेश चौरसिया का बांसुरी वादन प्रमुख रहा। प्रतिष्ठा द्वादशी पर राम मंदिर में पहली बार रामलीला का भी मंचन हुआ।

(समाप्त)